पटकथा (आलेख) लेखन के तरीके

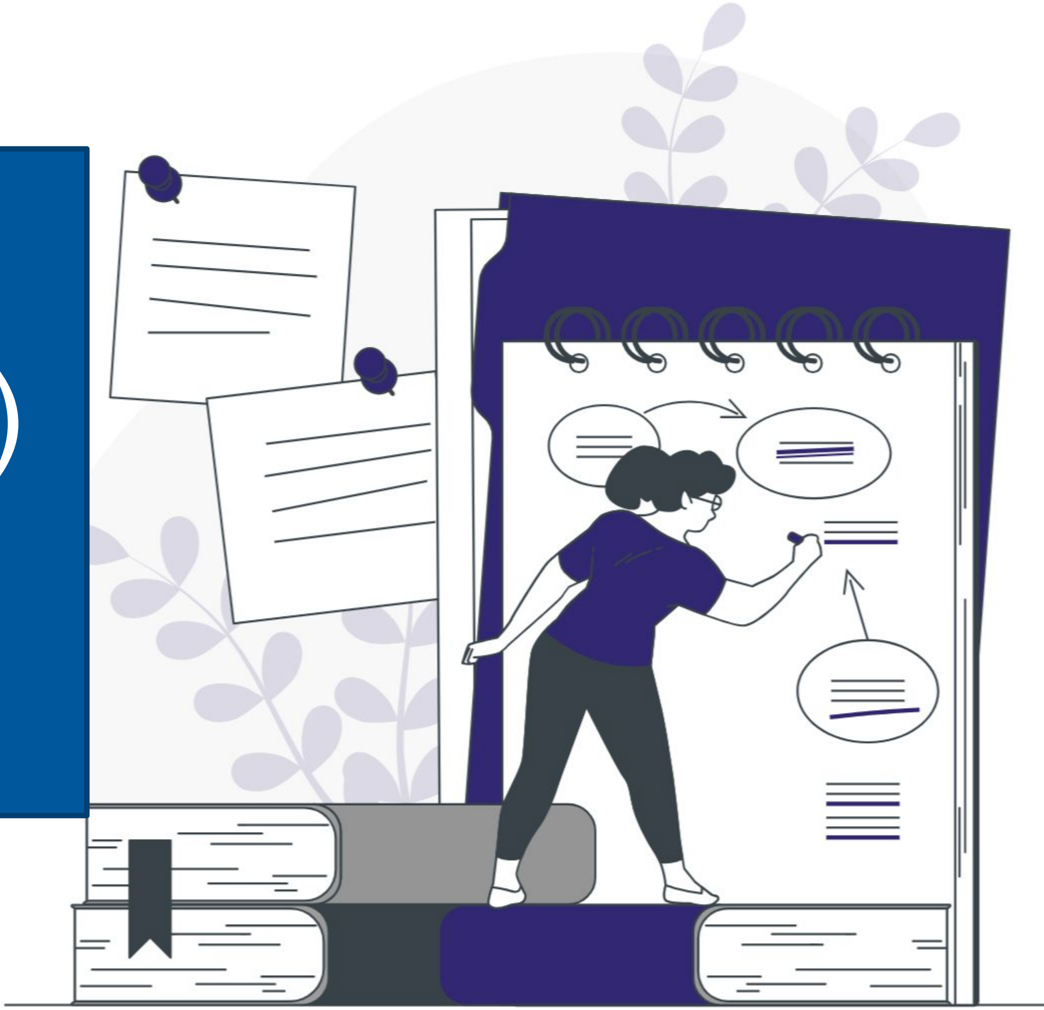

स्क्रिप्ट संचार का एक ब्लूप्रिंट होती है-

- क्या कहना है (what to say)
- कैसे कहना है (how to say it)
- कौन बोलेगा (who speaks and)
- और दर्शकों को क्या महसूस करना चाहिए या क्या करना चाहिए (what the audience should feel or do)

आलेख लेखन में ध्यान देने योग्य बातें-

कार्यक्रम का प्रारूप	कार्यक्रम का प्रारूप सुनिश्चित होना चाहिए; जैसे- ऑडियो, विडियों या अंतक्रियात्मक कार्यक्रम।
आलेख की अवधि	कार्यक्रम की अवधि 2-10 मिनट होनी चाहिए। अन्यथा एक से अधिक कार्यक्रम बनाए जाएं।
कार्यक्रम का उद्देश्य	कार्यक्रम के उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में लिखना चाहिए।
आलेख की प्रस्तावना	कार्यक्रम की प्रस्तावना रुचिकर हो ताकि बच्चों को कार्यक्रम देखने में रुचि उत्पन्न हो।
आलेख की संवाद	संवाद छोटे और रुचिकर हों।
अधिगम अभ्यास	अनुभव आधारित अभ्यास कार्य दिए जाएं।
अधिगम उपलब्धियाँ	कार्यक्रम देखने के बाद बच्चों के व्यवहार में किस प्रकार का परिवर्तन होगा?

पटकथा लेखन के चरण

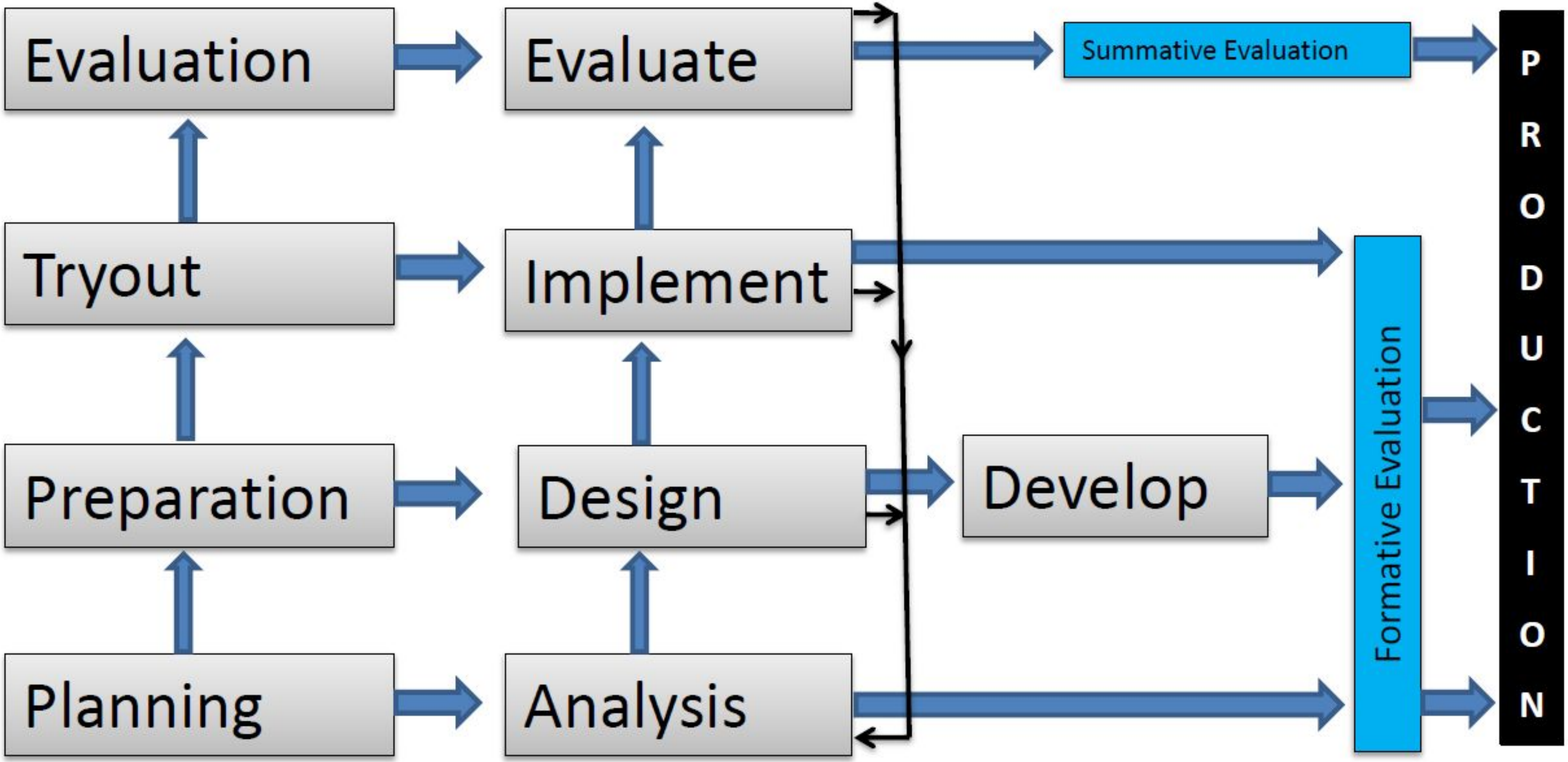

विचार और उद्‌देश्य

संदेश और विशेष शिक्षण उद्‌देश्यों को स्पष्ट रूप से तय करना ।

दर्शक प्रोफाइलिंग

शिक्षार्थी का स्तर, रुचियाँ और पूर्व ज्ञान की पहचान

शोध

सीखने के उद्‌देश्यों कको पूरा करने लिए तथ्य, चित्र और कहानियाँ इकट्‌ठा करना

मीडिया /फ़ॉर्मेट चयन

लक्ष्यों के अनुसार माध्यम का चयन करना

संरचना तैयार करना और लिखना

संवाद, कथन (नैरेशन) और ट्रांज़िशन का उपयोग करके आकर्षक आरम्भ, मुख्य भाग और समापन तैयार करना

समीक्षा और परिष्करण

स्पष्टता, प्रवाह, समय और सीखने वाले की समझ के आधार पर संपादन

– स्क्रिप्ट जो सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाए

स्पष्ट और अधिक आकर्षक पाठ हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप को शिक्षण उद्देश्यों और शिक्षार्थी प्रोफाइल के अनुरूप बनाएं

एनीमेशन

कब उपयोग करें

ऐसी अवधारणाएँ या प्रक्रियाएँ जो बहुत अमूर्त, छोटी, तेज़ या खतरनाक हों – कहानी के माध्यम से समझाई जा सकती हैं।

लाभ

जटिल विचारों को सहज तरीके से दिखाता है, लचीला, दोहराने योग्य

शिक्षण क्षेत्र में उदाहरण

कोशिका विभाजन, जल चक्र, ऐतिहासिक घटनाएँ

स्क्रिप्ट जो सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाए

स्पष्ट और अधिक आकर्षक पाठ हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप को शिक्षण उद्देश्यों और शिक्षार्थी प्रोफाइल के अनुरूप बनाएं

डॉक्यूमेंट्री (प्रलेखात्मक फ़िल्म)

कब उपयोग करें

वास्तविक दुनिया की समस्याएँ, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, या सामाजिक विषयों में गहन विश्लेषण; विशेषज्ञों या समुदायों के दृष्टिकोण बताने के लिए

लाभ

प्रामाणिक, शोध-आधारित, संदर्भ प्रदान करता है, और सीखने को वास्तविक जीवन से जोड़ता है।

शिक्षण क्षेत्र में उदहारण

पर्यावरणीय केस स्टडी, ऐतिहासिक घटनाएँ, सांस्कृतिक अध्ययन, सामाजिक न्याय के विषय

– स्क्रिप्ट जो सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाए

स्पष्ट और अधिक आकर्षक पाठ हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप को शिक्षण उद्देश्यों और शिक्षार्थी प्रोफाइल के अनुरूप बनाएं

सजीव क्रियाओं वाला वीडियो (निर्देशात्मक / प्रयोगात्मक))

कब उपयोग करें

वास्तविक उदाहरण, लोगों के साथ संवाद, और प्रयोग

लाभ

संपर्क बनाता है, वास्तविकता दिखाता है, भावनाओं को कैद करता है

शिक्षण क्षेत्र में उदहारण

कक्षा में प्रयोग, विशेषज्ञ साक्षात्कार, क्षेत्र भ्रमण।

– ऐसे स्क्रिप्ट्स जो सीखने को मजेदार बनाते हैं

स्पष्ट और अधिक आकर्षक पाठ हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप को शिक्षण उद्देश्यों और शिक्षार्थी प्रोफाइल के अनुरूप बनाएं

कथात्मक / नाटकीय भूमिका-निर्वहन

कब उपयोग करें

विचारों और भावनाओं को खोजने, कहानियों और पात्रों के बारे में सिखाने, और वास्तविक जीवन की स्थितियों को सुरक्षित रूप से निभाने के लिए।

लाभ

यह ध्यान आकर्षित करता है, सहानुभूति विकसित करता है, और छात्रों को लोगों और उनके अनुभवों के बारे में गहराई से सोचने में मदद करता है.

शिक्षण क्षेत्र में उदहारण

इसे भूमिका –निर्वहन, कहानी या साहित्य की कक्षाओं, सरल नाट्य प्रस्तुति, और सामाजिक – भावनात्मक गतिविधियों में उपयोग किया जा सकता है।

– स्क्रिप्ट जो सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाए

स्पष्ट स्पष्ट और अधिक आकर्षक पाठ हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप को शिक्षण उद्देश्यों और शिक्षार्थी प्रोफाइल के अनुरूप बनाएं

व्याख्यान

कब उपयोग करें	लाभ	शिक्षण क्षेत्र में उदहारण
संकल्पनाओं की व्याख्या, सिद्धांत - प्रधान सामग्री, और व्यापक सार– समीक्षाएँ।	स्पष्ट और सुव्यवस्थित ; गहन व्याख्याओं और कहानी के लिए उपयुक्त।	संकल्पनाओं का विश्लेषण, शिक्षण सिद्धांत, विस्तृत व्याख्याओं और कथाओं के लिए ।

संरचना और लेखन
(Structuring & Writing)

1. ध्यान आकर्षित करने वाले तत्वों का प्रयोग

→ स्पष्टीकरण -
ऐसी शुरुआत करें जो लोगों का ध्यान खींचे।

"क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ पौधे दूसरों की तुलना में जल्दी क्यों बढ़ते हैं?"

2. संवाद-प्रधान

→ स्पष्टीकरण -
पटकथा को व्यक्तिगत और समझने योग्य बनाता है।

""आप जानेंगे कि इस पहेली को एक-एक करके कैसे हल किया जाए।"

3 सक्रिय वाच्य और संक्षिप्त वाक्य

→ स्पष्टीकरण -
छात्रों की रुचि बनाए रखता है ।

"सामग्री को मिलाएँ" के बजाय "सामग्री को मिलाया जाना चाहिए।"

संरचना और लेखन

4. अपनी पटकथा को स्पष्ट और व्यवस्थित तरीके से तैयार करें

→ स्पष्टीकरण

शुरुआत, बीच का भाग और अंत इस क्रम में रखें, और सभी हिस्सों के बीच सुचारु संबंध बनाएं।

विषय प्रस्तुत करें → चरण/संकल्पनाएँ समझाएँ → सारांश देते हुए आगे का कार्य करें

5. प्रवाह बनाए रखें

→ स्पष्टीकरण

सुनिश्चित करें कि दृश्य, कथन और दृश्य सामग्री तार्किक रूप से प्रवाहित हों; अचानक बदलाव से बचें।

‘शैक्षणिक उदाहरण: बीज → अंकुर → बढ़ा हुआ पौधा

पटकथा के तत्व और प्रारूप (Elements of a script & format)

दृश्य / दृश्य शीर्षक (Scene/ scene heading)- आंतरिक/बाह्य सेटिंग और समय को परिभाषित करता है,	संवाद / कथन (Dialogue / Narration) बोली जाने वाली सामग्री और वॉइस-ओवर	दृश्य / दृश्य सामग्री (Visuals) वो चित्र या एनिमेशन जो बोले गए शब्दों को समझने में मदद करते हैं।	ध्वनि / संगीत (Sound/ Music) माहौल और समझ को बेहतर बनाना
अंदर. शयनकक्ष – रात	**प्रिया (फुसफुसाते हुए) कृपया मकड़ी मत बनो... एक छोटा ड्रैगन अचानक बाहर आता है और आग छीकता है। ड्रैगन मेरी गलती। एलर्जी है।**	**प्रिया की मेज़ पर एक चमकती हुई डिब्बी रखी है। वह सावधानी से उसकी ओर बढ़ती है ।**	**जैसे ही चमकता हुआ डिब्बा हिलता है, धीमे, रहस्यमय सुर गूँजते हैं।**

पटकथा के तत्व और प्रारूप (Elements of a script & format)

कथन — बोली गई सामग्री और वॉइस-ओवर	दृश्य — वो चित्र या एनिमेशन जो बोले गए शब्दों को समझने में मदद करते हैं।
कथन: हमारी दुनिया के हर कोने में, एक छोटा सा प्राणी बड़ा योगदान देता है... जो है नन्ही मधुमक्खी।	घास का मैदान जिसमें मधुमक्खियाँ हैं
कथन: मधुमक्खियाँ प्रकृति की अथक मेहनती श्रमिक हैं...	मधुमक्खियाँ पराग एकत्र करती हुई (करीब से) दृश्य
विशेषज्ञ बाइट: "मधुमक्खियों के बिना, परागण दर घट जाएगी..."	विशेषज्ञ कैमरे के सामने बोल रहे हैं

स्क्रिप्ट आधारित कुछ विशेष कार्यक्रम

Chetak ki Veerta
Chaar Dishen
Chinti

समीक्षा और परिष्करण /सुधार (Review and Refinement)

सामग्री की सटीकता (Content Accuracy): तथ्यों, उदाहरणों और निर्देशों की पुष्टि

स्पष्टता और प्रवाह (Clarity and Flow): सुनिश्चित करें कि कथन, संवाद और दृश्य तर्क संगत क्रम में प्रस्तुत हों।

समय निर्धारण (Timing) – प्रत्येक खंड को निर्धारित अवधि में समायोजित करें।

समीक्षा और परिष्करण /सुधार (Review and Refinement)

भाषा और शैली (Language & Tone) – पठनीयता, सरलता और उपयुक्तता की जांच करें।

सुसंगतता (Consistency) – दृश्यों, पात्रों और शब्दावली में निरंतरता बनाए रखें।

प्रतिपुष्टि (Feedback)– सहयोगियों, विषय विशेषज्ञों, या परीक्षण दर्शकों से सुझाव प्राप्त करें।

सूचना: अतिरिक्त दिशा-निर्देश

- **फ़ॉन्ट और आकार (Font & Size) :** मानक फ़ॉन्ट लगभग सार्वभौमिक रूप से **Courier 12pt** है। इसका कारण यह है कि Courier एक मोनोस्पेस्ड फ़ॉन्ट है, जिसमें हर अक्षर समान क्षैतिज स्थान लेता है, जो पृष्ठ-से-समय अनुपात की निरंतरता के लिए महत्वपूर्ण है।
- मानक फिल्म/टीवी पटकथा में, पृष्ठ-से-मिनट अनुपात बनाए रखने के लिए सभी तत्वों (एक्शन/कथन, संवाद, पात्रों के नाम आदि) के लिए 12pt फ़ॉन्ट अनिवार्य है।.

सूचना: अतिरिक्त दिशा-निर्देश

- **सुसंगतता (Consistency):** हेडिंग, संवाद, कथन और दृश्य संकेतों के लिए एक समान फ़ॉर्मैटिंग का उपयोग करें।
- **दृश्य शीर्षक (Scene Headings)**: दृश्यों या हिस्सों पर स्पष्ट नाम दें ताकि उन्हें समझना और ढूंढना आसान हो।
- **समय का अनुमान (Timing estimates):** मानक फिल्म/टीवी पटकथा के लिए समय का अनुमान पृष्ठ संख्या पर आधारित होता है। सही ढंग से फ़ॉर्मैट की गई एक पृष्ठ = स्क्रीन पर एक मिनट। इसलिए फ़ॉन्ट और आकार की सुसंगतता पर इतना ध्यान दिया जाता है।